

## उत्तर प्रदेश के पहले तैरते सोलर संयंत्र से वदियुत उत्पादन शुरू

### चर्चा में क्यों?

15 सितंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के औरैया ज़िले के दबियापुर में एनटीपीसी में कई चरणों में हुई जाँच के बाद 20 मेगावाट के तैरते सोलर संयंत्र से बजिली का उत्पादन शुरू हो गया। इससे एनटीपीसी औरैया संयंत्र की कुल क्षमता बढ़कर 704 मेगावाट हो गई है।

### प्रमुख बंदि

- एनटीपीसी के अपर महाप्रबंधक संजय बाल्यान ने बताया कयिह तैरता सोलर संयंत्र प्रदेश में पहला है। एनटीपीसी अब तक चार प्रदेशों- तेलंगाना के रामागुंडम, केरल के कायमकुलम, गुजरात के कवास और आंध्र प्रदेश के सेमाद्री में जलाशय पर तैरते सोलर संयंत्र लगा चुकी है।
- गौरतलब है कयि औरैया में फ्लोटिंग सोलर संयंत्र के लयि एनटीपीसी ने सितंबर 2019 में नविदि आमंत्रति की थी। नविदि पाने वाली कंपनी ने जून 2020 में सोलर संयंत्र का काम शुरू कयि था। अगस्त 2022 में सोलर प्लांट लगकर तैयार हो गया। इसके बाद टेस्टिंग और कमीशनगि का काम पूरा कयि गया।
- दबियापुर स्थति एनटीपीसी में 500 वाट क्षमता के सोलर पैनलों का प्रयोग कयि गया है। फ्लोटिंग सोलर संयंत्र की कुल लागत लगभग 90 करोड़ रुपए है।
- एनटीपीसी संयंत्र परसिर में लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत से 20 मेगावाट क्षमता का ज़मीन पर सोलर संयंत्र लगाया गया। ज़मीन पर लगे सोलर प्लांट में 330 वाट के सोलर पैनल मॉड्यूल लगाए गए हैं। इस संयंत्र से व्यावसायकि बजिली उत्पादन तीन चरणों में (पहले चरण में 10 नवंबर, 2020 को आठ मेगावाट, 4 दसिंबर, 2020 को सात मेगावाट एवं 20 फरवरी, 2021 को पाँच मेगावाट) ग्रडि से जोड़कर शुरू कयि जा चुका है।
- अब दबियापुर फ्लोटिंग सोलर संयंत्र से व्यावसायकि बजिली उत्पादन शुरू हो गया है। इससे सोलर संयंत्र की उत्पादन क्षमता बढ़कर 40 मेगावाट हो गई है। एनटीपीसी औरैया में गैस और नेफ़्था से चलने वाला 664 मेगावाट का बजिली उत्पादन संयंत्र भी लगा है। इस प्रकार एनटीपीसी औरैया संयंत्र की कुल क्षमता बढ़कर 704 मेगावाट हो गई है।
- एनटीपीसी अधिकारियों के अनुसार गैस और नेफ़्था आधारति संयंत्रों से उत्पादति बजिली पाँच रुपए से लेकर 20 रुपए परतयूनटि पड़ती है। सोलर से उत्पादति बजिली 3.02 रुपए परतयूनटि पड़ेगी।